ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, शनिवार 23 मई 2026

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 3 अंक 45

पृष्ठ 4

बाबा बर्फानी के प्रथम दर्शन : अमरनाथ गुफा में आकार लेने लगा हिम शिवलिंग, 3 जुलाई से अमरनाथ यात्रा



24 न्यूज अपडेट

श्रीनगर। पवित्र अमरनाथ यात्रा शुरू होने से पहले बाबा बर्फानी के हिम शिवलिंग की पहली झलक सामने आई है। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो और तस्वीरों में लगभग 6 से 7 फीट ऊंचा हिम शिवलिंग आकार लेता दिखाई दे रहा है। सुरक्षा में तैनात जवानों ने सबसे पहले बाबा बर्फानी के दर्शन किए। इस वर्ष अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई 2026 से शुरू होकर 9 अगस्त 2026 तक चलेगी। पवित्र अमरनाथ गुफा हिमालय की पीर पंजाल पर्वत श्रृंखला में स्थित है, जहां इन दिनों तापमान शून्य से नीचे बना हुआ है और भारी बर्फबारी का दौर जारी है।

मार्गों पर अब भी भारी बर्फबारी

यात्रा मार्गों पर सामान्य स्थानों पर 6 से 8 फीट तक तथा हिमस्खलन संभावित क्षेत्रों में 10 से 12 फीट तक बर्फ जमी हुई है। सीमा सड़क संगठन द्वारा बालटाल मार्ग पर लगभग 9 किलोमीटर और नुनवान-पहलगाम मार्ग पर करीब 8 किलोमीटर ट्रैक से बर्फ हटाने का कार्य पूरा किया जा चुका है। यात्रा को सुगम बनाने के लिए मार्गों को चौड़ा करने, सतह सुधारने, रिटेनिंग वॉल और कल्वर्ट निर्माण का कार्य तेजी से चल रहा है। अधिकारियों के अनुसार 15 जून तक दोनों प्रमुख मार्ग पूरी तरह तैयार कर दिए जाएंगे।

आधुनिक सुविधाओं से लैस होंगे बेस कैंप

इस बार यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के लिए बेस कैंप में पारंपरिक टेंटों के स्थान पर प्री-फैब्रिकेटेड और फाइबर संरचनाएं तैयार की जा रही हैं। इन संरचनाओं में 48 कमरे बनाए गए हैं तथा प्रत्येक कमरे में संलग्न स्नानगृह और गर्म-ठंडे पानी की सुविधा उपलब्ध रहेगी। इसके अलावा प्रत्येक भवन में पैंट्री की व्यवस्था भी की जा रही है। प्रशासन का मानना है कि इससे श्रद्धालुओं को कठिन मौसम में अधिक सुरक्षित और आरामदायक आवास सुविधा मिल सकेगी।

संवेदनशील क्षेत्रों को घोषित किया गया नो-एंट्री जोन

बादल फटने और अचानक बाढ़ की घटनाओं को ध्यान में रखते हुए इस बार संवेदनशील क्षेत्रों में शिविर नहीं लगाए जाएंगे। प्रशासन ने जोखिम वाले स्थानों को तीर्थयात्रियों के लिए नो-एंट्री जोन घोषित किया है। बालटाल और नुनवान मार्गों पर पुलों और रास्तों को भी मजबूत किया गया है।

अब तक 3.6 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने कराया पंजीकरण

अमरनाथ यात्रा के लिए अब तक 3.6 लाख से अधिक श्रद्धालु पंजीकरण करा चुके हैं। यात्रा के लिए पंजीकरण पंजाब नेशनल बैंक, जम्मू-कश्मीर बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और यस बैंक की निर्धारित शाखाओं के माध्यम से किया जा रहा है। अधिकारियों को उम्मीद है कि इस वर्ष यात्रियों की संख्या 5 लाख से अधिक पहुंच सकती है। पिछले वर्ष 4.14 लाख श्रद्धालुओं ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए थे।

राजस्थान में सरकारी खर्चों में कटौती और ईंधन बचत पर जोर, विदेश यात्राओं पर रोक, सरकारी विभागों में अब केवल ई-वाहनों की खरीद होगी



24 न्यूज अपडेट

जयपुर। पेट्रोल-डीजल की बचत, ऊर्जा संरक्षण और सरकारी खर्चों में कमी लाने को लेकर राज्य सरकार ने बड़ा प्रशासनिक फैसला लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद वित्त विभाग ने सभी सरकारी विभागों, स्वायत्तशासी संस्थाओं और सार्वजनिक उपक्रमों के लिए नई कार्यप्रणाली संबंधी विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। सरकार ने इन निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने को कहा है। नई व्यवस्था के तहत अब सरकारी खर्च पर मंत्रियों, अधिकारियों और कर्मचारियों की विदेश यात्राओं पर रोक लगा दी गई है। इसके साथ ही सरकारी तंत्र में ईंधन बचत, बिजली बचत और डिजिटल कार्यप्रणाली को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए हैं।

सरकारी विभागों में अब केवल ई-वाहनों की खरीद

सरकार ने स्पष्ट किया है कि अब सभी सरकारी विभागों और सरकारी संस्थानों में नए वाहन केवल ई-वाहन ही खरीदे जाएंगे। वर्तमान में उपयोग में लिए जा रहे पेट्रोल और डीजल वाहनों को चरणबद्ध तरीके से ई-वाहनों में बदला जाएगा। पहले चरण में शहरों में कार्यरत अधिकारियों के लिए ई-वाहन खरीदे जाएंगे। वहीं ठेके पर लिए जाने वाले वाहनों में भी धीरे-धीरे ई-वाहनों को अनिवार्य किया जाएगा।

कार पुलिंग को बढ़ावा

एक ही दिशा में रहने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को कार पुलिंग अपनाने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार ने सरकारी और निजी दोनों वाहनों में साझा यात्रा व्यवस्था को बढ़ावा देने पर जोर दिया है, ताकि ईंधन की खपत कम की जा सके।

होटलों में सरकारी बैठकों पर रोक

सरकार ने होटलों में होने वाली सरकारी बैठकों और आयोजनों पर रोक लगाने का निर्णय लिया है। अब विभागीय बैठकें, संगोष्ठियां और अन्य कार्यक्रम केवल सरकारी भवनों में ही आयोजित किए जाएंगे।

काफिलों में घटेगी वाहनों की संख्या

मुख्यमंत्री और मंत्रियों द्वारा काफिलों में वाहनों की संख्या कम किए जाने के बाद अब अन्य पदाधिकारियों को भी गैर-जरूरी वाहन हटाने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार ने इसे ईंधन बचत की दिशा में आवश्यक कदम बताया है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और ई-कार्यालय व्यवस्था पर जोर

सरकार ने अधिकतम बैठकों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही ई-ऑफिस, ई-फाइल और राज-काज पोर्टल के उपयोग को अनिवार्य रूप से बढ़ावा देने की बात कही गई है।

ऑनलाइन प्रशिक्षण को प्राथमिकता

सरकारी प्रशिक्षण कार्यक्रमों में अधिकारियों और कर्मचारियों को एक स्थान पर बुलाने के बजाय ऑनलाइन प्रशिक्षण व्यवस्था लागू की जाएगी, जिससे समय और संसाधनों की बचत हो सके।

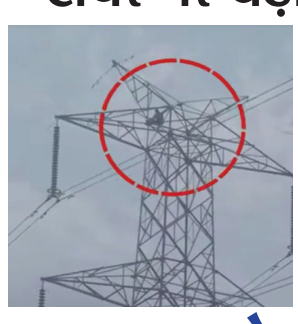
सौर ऊर्जा और ऊर्जा बचत पर विशेष फोकस

सरकारी भवनों में सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने के निर्देश जारी किए गए हैं। वहीं प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना के तहत घरेलू स्तर पर भी सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने की तैयारी की जा रही है। सरकार ने सभी कार्यालयों में बिजली बचत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों और कर्मचारियों को कार्यालय से निकलते समय पंखे, लाइट, कूलर, वातानुकूलन यंत्र और अन्य विद्युत उपकरण बंद करने के लिए विशेष रूप से कहा गया है।

ई-वाहन चार्जिंग ढांचे का होगा विस्तार

प्रदेश में ई-वाहनों को बढ़ावा देने के लिए चार्जिंग स्टेशनों के विकास की कार्ययोजना तैयार की जाएगी। लंबित प्रस्तावों को शीघ्र मंजूरी देने के निर्देश भी जारी किए गए हैं। सरकार का मानना है कि इन कदमों से ईंधन की बचत, ऊर्जा संरक्षण और सरकारी खर्चों में कमी लाने के साथ पर्यावरण संरक्षण को भी मजबूती मिलेगी।

दो पत्नियों को साथ रखने की जिद में हाईटेंशन टावर पर चढ़ा युवक, एक घंटे तक चला ड्रामा



24 न्यूज अपडेट

धमतरी। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में पारिवारिक विवाद के बीच एक युवक हाईटेंशन टावर पर चढ़ गया और दोनों पत्नियों को एक साथ रखने की मांग करने लगा। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। करीब एक घंटे की मशक्कत और समझाइश के बाद युवक सुरक्षित नीचे उतरा। मामला भखारा थाना क्षेत्र के ग्राम भेंड्रा का है। यहां रहने वाला 30 वर्षीय यादराम साहू खेती-किसानी का काम करता है। बताया गया कि उसने वर्ष 2019 में पहली शादी की थी। बाद में एक युवती से प्रेम संबंध होने पर वर्ष 2022 में दूसरी शादी भी कर ली। शुरुआत में दोनों पत्नियां एक ही घर में रह रही थीं, लेकिन आपसी विवाद और झगड़ों के कारण बाद में दूसरी पत्नी अलग रहने लगी। युवक लगातार दोनों को एक साथ रखने की कोशिश कर रहा था, लेकिन दोनों महिलाएं इसके लिए तैयार नहीं थीं। शनिवार को इसी बात को लेकर घर में फिर विवाद हुआ। बताया जा रहा है कि उस समय युवक शराब के नशे में था। विवाद के बाद वह ट्रैक्टर लेकर गांव के पास स्थित हाईटेंशन ट्रांसमिशन लाइन के टावर तक पहुंच गया और करीब 50 फीट ऊंचाई पर चढ़कर बैठ गया। टावर पर चढ़ने के बाद युवक मोबाइल फोन के जरिए परिजनों और ग्रामीणों से लगातार संपर्क करता रहा। उसने साफ कहा कि जब तक उसकी दोनों पत्नियां एक साथ रहने के लिए तैयार नहीं होंगी, वह नीचे नहीं उतरेगा। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। सूचना पर पुलिस पेट्रोलिंग टीम और स्थानीय प्रशासन के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने युवक से लगातार बातचीत कर उसे समझाने का प्रयास किया। करीब एक घंटे तक चले समझाइश के बाद युवक इस शर्त पर नीचे उतरने के लिए तैयार हुआ कि उसका वीडियो नहीं बनाया जाएगा। हालांकि मौके पर मौजूद कुछ लोगों ने घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। नीचे उतरने के बाद युवक को उसके परिजनों और ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों के सुपुर्द कर दिया गया। सीएसपी अभिषेक चतुर्वेदी ने बताया कि डायल-112 के माध्यम से सूचना मिलने पर पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची थी। प्रारंभिक जांच में युवक के शराब सेवन और पारिवारिक विवाद से परेशान होने की बात सामने आई है। पुलिस ने परिवार को आपसी विवाद सुलझाने तथा आवश्यक परामर्श लेने की सलाह दी है। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

500 पेंशन के लिए बहू ने 90 वर्षीय सास को पीठ पर ढोया, 5 किलोमीटर पैदल चलकर बैंक पहुंची, तीन महीने बाद मिले 1500 रुपए

24 न्यूज अपडेट

सरगुजा। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले से मानवीय संवेदनाओं और ग्रामीण बदहाली की तस्वीर सामने आई है। यहां एक बहू अपनी 90 वर्षीय सास को पीठ पर लादकर करीब 5 किलोमीटर पैदल चलकर बैंक पहुंची, ताकि वृद्धावस्था पेंशन की राशि मिल सके। घटना का वीडियो सामने आने के बाद व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। मामला मैनपाट विकासखंड के कुनिया गांव के जंगलपारा क्षेत्र का है। यहां रहने वाली सुखमनिया अपनी बुजुर्ग सास सोनवारी को पीठ पर बैठाकर सेंट्रल बैंक पहुंची। बताया जा रहा है कि सोनवारी की वृद्धावस्था पेंशन पिछले तीन महीनों से रुकी हुई थी। परिवार के अनुसार गांव तक पहुंचने के रास्ते में नाला पड़ता है, जिसके कारण वहां वाहन नहीं पहुंच पाते। घर से करीब डेढ़ किलोमीटर तक दुर्गम रास्ता पार करने के बाद आगे साढ़े तीन किलोमीटर पैदल चलकर बैंक तक पहुंचना पड़ता है। सुखमनिया ने बताया कि पहले बैंक मित्र घर पहुंचकर पेंशन राशि दे जाता था, जिससे बुजुर्ग महिला को परेशानी नहीं होती थी। लेकिन पिछले कुछ महीनों से बैंक मित्र ने घर आना बंद कर दिया। वहीं केवाईसी प्रक्रिया पूरी नहीं होने के कारण भी पेंशन अटक गई थी। शुक्रवार को मजबूरी में सुखमनिया अपनी सास को पीठ पर उठाकर बैंक पहुंची, जहां उन्हें तीन महीने की रुकी हुई पेंशन के 1500 रुपए दिए गए। खाते में चार महीने की कुल 2000 रुपए की राशि जमा होना बताया गया है। बहू ने भावुक होकर बताया कि आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वह किसी वाहन की व्यवस्था नहीं कर सकी। इससे पहले भी कई बार वह अपनी सास को इसी तरह पीठ पर बैठाकर बैंक ले जा चुकी है। ग्रामीणों का कहना है कि जंगलपारा क्षेत्र में सड़क और आवागमन की उचित व्यवस्था नहीं होने से बुजुर्गों और बीमार लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। वहीं इस मामले में नर्मदापुर सेंट्रल बैंक के प्रबंधक मिर्जा अल्ताफ बेग ने बताया कि क्षेत्र में वृद्धावस्था पेंशन घर तक पहुंचाने की व्यवस्था मौजूद है और इसके लिए बैंक मित्र नियुक्त किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यदि परिवार बैंक को सूचना देता है तो बैंक मित्र को घर भेजा जा सकता है।

इंस्टाग्राम अकाउंट एक्सेस न होने और वेबसाइट बंद किए जाने का दावा; 8 दिन में 2 करोड़ से ज्यादा फॉलोअर्स जुटाने वाले CJP को सोनम वांगचुक का समर्थन



24न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। सोशल मीडिया की गलियों से निकला 'कॉकरोच जनता पार्टी' (CJP) नाम का डिजिटल आंदोलन अब सियासी बहस के केंद्र में पहुंच गया है। खुद को व्यवस्था से नाराज युवाओं की आवाज बताने वाला यह समूह शनिवार को तब और सुर्खियों में आ गया, जब इसके संस्थापक अभिजीत दीपके ने सरकार पर इंस्टाग्राम अकाउंट "हैक" करने और वेबसाइट बंद कराने का आरोप लगाया। सुबह 8:25 बजे किए गए X पोस्ट में CJP ने दावा किया कि उनका इंस्टाग्राम अकाउंट एक्सेस नहीं हो रहा। इसके कुछ घंटे बाद अभिजीत दीपके ने एक और पोस्ट में आरोप लगाया कि संगठन की वेबसाइट भी बंद कर दी गई है। दीपके के मुताबिक उस वेबसाइट पर 10 लाख से ज्यादा लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया था, जबकि 6 लाख से अधिक लोगों ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग वाली ऑनलाइन याचिका पर हस्ताक्षर किए थे। दीपके ने सरकार पर निशाना साधते हुए लिखा, "सरकार कॉकरोच से इतनी डरी हुई क्यों है? अकाउंट हैक करके आप हमें रोक सकते हैं, लेकिन इस आंदोलन को खत्म नहीं कर सकते।" दरअसल, 'कॉकरोच जनता पार्टी' बीते आठ दिनों में सोशल मीडिया पर अचानक उभरा एक ऐसा अभियान है, जिसने व्यंग्य, मीम और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को मिलाकर युवाओं के बीच तेज पकड़ बनाई। इंस्टाग्राम पर इसके फॉलोअर्स की संख्या महज आठ दिन में 2 करोड़ 20 लाख तक पहुंचने का दावा किया जा रहा है। वहीं X पर पहला अकाउंट ब्लॉक होने के बाद संगठन ने नया अकाउंट 'कॉकरोच इज बैक' नाम से बनाया, जिसकी बायो लाइन थी— "कॉकरोच डोंट डाय।" नए अकाउंट पर भी दो लाख से ज्यादा फॉलोअर्स जुड़ चुके हैं। इस पूरे घटनाक्रम ने तब और राजनीतिक रंग पकड़ लिया, जब प्रसिद्ध पर्यावरणविद और शिक्षाविद Sonam Wangchuk ने इस अभियान का खुलकर समर्थन किया। उन्होंने कहा, "इस कैंपेन को खतरे की तरह नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक फीडबैक की तरह देखा जाना चाहिए। मैसेज देने वाले को खत्म करने से मैसेज खत्म नहीं होगा।" वांगचुक ने व्यंग्यात्मक अंदाज में खुद को "ऑनरेरी कॉकरोच" भी बताया। उधर, अभिजीत दीपके ने शुक्रवार को दावा किया था कि उन्हें वॉट्सऐप पर जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। उन्होंने कथित स्क्रीनशॉट भी सोशल मीडिया पर साझा किए।

संपादकीय : विकल्प की ऊर्जा

ईरान पर अमेरिका और इजराइल के साझा हमले के बाद समूचे मध्यपूर्व के इलाके में जैसे जटिल हालात पैदा हुए हैं, उसका स्वाभाविक असर वैश्विक पैमाने पर ऊर्जा की आपूर्ति पर पड़ा। हालांकि जब दोनों पक्षों के बीच चौदह दिनों के युद्धविराम की घोषणा हुई थी, तब उम्मीद जगी थी कि अब शायद ईरान होर्मुज जलमार्ग को भी खोल दे और कच्चे तेल तथा प्राकृतिक गैस की आपूर्ति बहाल हो । मगर उसके बाद ईरान और अमेरिका के बीच हुई शांति वार्ता नाकाम रही और इसी के साथ होर्मुज जलमार्ग की बहाली की उम्मीद एक बार फिर मंद पड़ गई। आज हालत यह है कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव और आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने का जिन देशों पर ज्यादा असर पड़ा है, वे अब ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों पर विचार कर रहे हैं। गौरतलब है कि होर्मुज जलमार्ग बाधित होने के बाद तेल और गैस की व्यापक कमी के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को मंत्रिपरिषद की बैठक में कहा कि रसोई गैस के विकल्प के रूप में बायोगैस सहित अन्य वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को हर हाल में बढ़ावा दिया जाए। दरअसल, होर्मुज जलमार्ग से वैश्विक जरूरत के बीस से पच्चीस फीसद तेल और गैस की आपूर्ति होती है। भारत भी उन देशों में शामिल है जिनकी खासी निर्भरता वहां से आने वाले ऊर्जा स्रोतों पर है। यही वजह है कि ईरान ने जब से होमूंज जलमार्ग से जहाजों की आवाजाही पर रोक लगाई है और उसके बाद अमेरिका ने नाकाबंदी की तब से देश घरेल गैस और पेट्रोल-डीजल की व्यापक कमी का सामना कर रहा है। यों इस बीच सरकार ने रूस से तेल खरीद के रास्ते तैयार करने की कोशिश की, लेकिन अमेरिका के रुख की वजह से उसमें भी कई अड़चनें पेश आ रही हैं। ऐसे में फिलहाल सबसे बेहतर उपाय यही है कि दूसरे देशों पर निर्भरता को कम करने के लिए देश में ही वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों का ढांचा तैयार किया जाए। इस लिहाज से देखें तो देश में बायोगैस सहित अन्य ऊर्जा स्रोतों की जमीन मजबूत होती है, तो यह न केवल तात्कालिक स्तर पर समस्या का सामना करने के लिहाज से महत्त्वपूर्ण होगा, बल्कि वह दूरगामी स्तर पर देश के व्यापक हित में होगा । पश्चिम एशिया में एक ओर अमेरिका के रूख तो दूसरी ओर ईरान के जवाबी रवैये की वजह से न केवल भारत, बल्कि दुनिया के बहुत सारे देशों के सामने संकट धीरे-धीरे गहरा रहा है। शायद इसीलिए अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजंसी के कार्यकारी निदेशक ने दुनिया को यह चेतावनी दी है कि अगर होर्मुज जलमार्ग पूरी तरह और बिना किसी शर्त के जल्द नहीं खुला तो दुनिख जल्दी ही 'रेड जोन' में प्रवेश कर सकती है, जहां तेल आपूर्ति सामान्य मांग को भी संभालने में पूरी तरह असमर्थ हो जाएगी। समस्या यह है कि एक ओर अमेरिका और इजराइल का सामना करने के क्रम में ईरान होर्मुज जलमार्ग को बाधित करने को एक कारगर रणनीति के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है और इसे खोलने के लिए अमेरिका के कदम पीछे हटाने की शर्त रख रहा है वहीं अमेरिका ने इस इलाके में नाकाबंदी करके अपना दबाव बनाया हुआ है। इस टकराव के बीच न तो शांति वार्ता की कोई सूरत बन रही है, न ही होमुंज जलमार्ग के तुरंत खुलने की संभावना बन रही है। ऐसे में बेहतर यही है कि तेल और गैस के लिए अन्य देशों के साथ सहयोग के रास्ते बनाने के साथ ही देश के भीतर ऊर्जा के अन्य वैकल्पिक स्रोतों को बढ़ावा दिया जाए।

गर्मी की मार

उत्तर और मध्य भारत के दस से अधिक राज्य इन दिनों भीषण गर्मी से तप रहे हैं। अधिकांश स्थानों पर पारा 45 डिग्री सेल्सियस से ऊपर जा पहुंचा है। लोग गर्मी से निजात पाने के लिए मैदानों से पहाड़ की ओर जाते हैं, लेकिन अब कुछ पहाड़ी क्षेत्रों में भी लू चलने जैसी लू स्थिति पैदा हो गई है। उत्तर प्रदेश के बांदा में जहां अधिकतम तापमान 47 डिग्री को पार कर गया है, वहीं राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में गुरुवार की रात पिछले चौदह वर्षों में सबसे गर्म रही। बढ़ते तापमान की तपिश ने न केवल आम लोगों की परेशानी बढ़ा दी है, बल्कि इससे कृषि का कार्य भी प्रभावित हो रहा है और कई जगह फसलों को नुकसान हो रहा है। ऐसे में यह समझना जरूरी है कि हर साल मौसम में इतना ज्यादा उतार-चढ़ाव आखिर क्यों हो रहा है। जाहिर है कि यह जलवायु परिवर्तन और बढते वैश्विक ताप का ही नतीजा है, जिससे मौसम का प्राकृतिक चक्र प्रभावित हो रहा है। तापमान का बढ़ना सिर्फ मनुष्य और अन्य जीव-जंतुओं को शारीरिक रूप से ही प्रभावित नहीं करता है, बल्कि इसका असर व्यापक होता है। अत्यधिक गर्मी से प्राकृतिक जलस्रोत सूखने लगते हैं, जिससे पेयजल संकट पैदा हो जाता है। सिंचाई के बिना फसलें बर्बाद हो जाती हैं और कई दफा बुआई का कार्य भी प्रभावित होता है। यही नहीं, झुलसा देने वाली गर्मी के कारण लोग घरों से कम निकलते हैं और बाजारों की रौनक गायब हो जाती है, नतीजतन व्यापारिक गतिविधियां सुस्त पड़ जाती है और इसका सीधा असर अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। गर्मी की सबसे ज्यादा मार गरीब तबकों को ही झेलनी पड़ती है, जिनके पास संसाधनों की कमी होती है। सरकार की ओर से ऐसे लोगों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने पर ध्यान दिए जाने की जरूरत है। इस बात पर भी गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए कि आखिर मैदानों के साथ अब पहाड़ भी क्यों तपने लगे हैं। मौसम विज्ञानियों का मानना है कि पहाड़ी क्षेत्रों में वनों की अंधाधुंध कटाई, अवैज्ञानिक तरीके से खनन और पर्यटक वाहनों के बढ़ते दबाव से स्थानीय मौसम चक्र में बदलाव हो रहा है। ऐसे में अगर अब भी हम नहीं सभले, तो निकट भविष्य में इसका परिणाम भयावह हो सकता है।

बधाई हो, उदयपुर में पेट्रोल 110 रुपए पार, डीजल भी महंगा; 9 दिन में तीसरी बार बढ़े दाम



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। प्रदेशभर में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी का असर अब आम लोगों की जेब पर साफ दिखाई देने लगा है। शनिवार सुबह से लागू नई दरों के बाद उदयपुर में पेट्रोल 93 पैसे और डीजल 91 पैसे प्रति लीटर महंगा हो गया है। लगातार नौ दिनों में तीसरी बार ईंधन की कीमतों में इजाफा होने से वाहन चालकों और परिवहन कारोबार से जुड़े लोगों की चिंता बढ़ गई है। नई दरों के अनुसार उदयपुर में पेट्रोल की कीमत 109 रुपए 73 पैसे प्रति लीटर से बढ़कर 110 रुपए 66 पैसे हो गई है। वहीं डीजल 94 रुपए 89 पैसे से बढ़कर 95 रुपए 80 पैसे प्रति लीटर पहुंच गया है। शनिवार सुबह से शहर के सभी पेट्रोल पंपों पर नई कीमतें लागू कर दी गईं। इससे पहले 19 मई को भी पेट्रोल और डीजल की कीमतों में औसतन 90 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई थी, जबकि 15 मई को ईंधन दरों में करीब 3 रुपए प्रति लीटर तक इजाफा किया गया था। लगातार हो रही बढ़ोतरी के कारण निजी वाहन चालकों के साथ-साथ माल परिवहन और सार्वजनिक परिवहन क्षेत्र पर भी असर पड़ने लगा है। विशेषज्ञों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के चलते तेल कंपनियों पर लागत का दबाव बढ़ा है। वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने के बाद क्रूड ऑयल की कीमतें तेजी से ऊपर गई हैं। पहले जहां कच्चा तेल करीब 70 डॉलर प्रति बैरल के आसपास था, वहीं अब यह 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच चुका है। इसी के चलते घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल के दामों में लगातार संशोधन किया जा रहा है। प्रदेश के अन्य जिलों की बात करें तो जयपुर में पेट्रोल 109.87 रुपए और डीजल 95.05 रुपए प्रति लीटर पहुंच गया है। वहीं बाड़मेर और सवाई माधोपुर जैसे जिलों में पेट्रोल की कीमतें 111 रुपए प्रति लीटर के करीब पहुंच चुकी हैं। लगातार बढ़ती कीमतों के कारण आम उपभोक्ताओं के घरेलू बजट पर अतिरिक्त भार पड़ रहा है।

कालाबाजारी रोकने रियायती गेहूं लेने वाले परिवारों के घरों पर चिन्ह लगाने की मांग

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत संगठन ने राज्य सरकार की रियायती गेहूं वितरण योजना में पारदर्शिता लाने तथा कालाबाजारी रोकने के उद्देश्य से नया सुझाव दिया है। संगठन ने उपभोक्ता मामलों के मंत्री को पत्र भेजकर मांग की है कि सरकारी योजना के तहत 2 रुपए किलो गेहूं लेने वाले परिवारों के घरों के बाहर विशेष चिन्ह लगाए जाएं। संगठन के जिला मंत्री नारायण पंचोली ने बताया कि सरकार द्वारा जरूरतमंद परिवारों को रियायती दर पर गेहूं उपलब्ध करवाना सराहनीय कदम है, लेकिन कई ऐसे लोग भी योजना का लाभ ले रहे हैं जो आर्थिक रूप से सक्षम होने के बावजूद गेहूं लेकर बाजार में बेच देते हैं। इससे वास्तविक जरूरतमंद परिवारों को नुकसान हो रहा है और समाज में नाराजगी बढ़ रही है। ग्राहक पंचायत का कहना है कि यदि योजना का लाभ लेने वाले परिवारों के घरों पर चिन्ह लगाए जाते हैं तो इससे यह स्पष्ट होगा कि कौन वास्तव में योजना का पात्र है। साथ ही आर्थिक रूप से सक्षम परिवारों को योजना से बाहर करने में भी आसानी होगी। संगठन के प्रांत संगठन मंत्री राकेश पालीवाल और जिला अध्यक्ष शिव कुमार शर्मा ने बताया कि इस संबंध में केंद्र सरकार को भी अवगत कराने का निर्णय लिया गया है। उनका कहना है कि इससे वास्तविक जरूरतमंद परिवारों तक योजना का लाभ पहुंच सकेगा और रियायती गेहूं की कालाबाजारी पर भी प्रभावी रोक लगाई जा सकेगी।

राजस्थान में विद्यालयों का ग्रीष्मावकाश 28 जून तक बढ़ा

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। राजस्थान सरकार ने प्रदेश के विद्यालयों में ग्रीष्मावकाश 28 जून तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। पहले विद्यालय 22 जून से खुलने थे, लेकिन अब 29 जून से शिक्षण कार्य प्रारंभ होगा। ग्रीष्मावकाश बढ़ाने की मांग को लेकर राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) के बैनर तले पिछले कई दिनों से शिक्षकों का आंदोलन चल रहा था। शनिवार को सरकार और शिक्षक संघ के बीच सहमति बनने के बाद अवकाश बढ़ाने का निर्णय लिया गया। समझौता पत्र पर शिक्षा मंत्री के विशिष्ट सहायक की ओर से हस्ताक्षर किए गए हैं। हालांकि शिक्षा निदेशालय की ओर से अभी तक औपचारिक आदेश जारी नहीं किया गया है, लेकिन जल्द ही आदेश जारी होने की संभावना जताई जा रही है। उल्लेखनीय है कि इस शैक्षणिक सत्र में पहली बार ग्रीष्मावकाश की अवधि कम कर दी गई थी और विद्यालय 22 जून से खोलने के निर्देश जारी किए गए थे। इसके विरोध में शिक्षक पिछले करीब 15 दिनों से आंदोलन कर रहे थे। ब्लॉक स्तर तक धरने और विरोध प्रदर्शन किए गए। शनिवार सुबह शिक्षा मंत्री मदन दिलावर मदन दिलावर के साथ हुई बैठक में आखिरकार सहमति बनी। इससे पहले शुक्रवार देर रात जयपुर में शिक्षा मंत्री के आवास पर शिक्षक संघ पदाधिकारियों के साथ लंबी चर्चा हुई थी। बैठक में राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय) के प्रदेशाध्यक्ष रमेश पुष्करणा, प्रदेश महामंत्री महेंद्र लखारा, संघर्ष समिति के सदस्य और प्रदेश उपाध्यक्ष रवि आचार्य मौजूद रहे। सरकार ने शिक्षकों की एक अन्य प्रमुख मांग भी मान ली है। इस सत्र में पहली बार प्रधानाचार्य विशेषाधिकार अवकाश की संख्या दो से घटाकर एक कर दी गई थी, जिसका शिक्षक विरोध कर रहे थे। अब इसे फिर से बढ़ाकर दो कर दिया गया है।

लदानी के टेरिया में देर रात चोरी, सरिये से हमला कर चार तोला सोना ले उड़े बदमाश



24 न्यूज अपडेट

मावली। फतहनगर थाना क्षेत्र के लदानी गांव स्थित टेरिया में शुक्रवार देर रात अज्ञात चोरों ने एक घर में घुसकर वारदात को अंजाम दिया। चोर करीब चार तोला सोने के जेवर लेकर फरार हो गए। विरोध करने पर गृहस्वामी के सिर पर लोहे के सरिये से हमला कर घायल कर दिया। जानकारी के अनुसार टेरिया निवासी मांगीलाल डांगी पुत्र हेमराज डांगी अपने परिवार सहित घर में सो रहे थे। रात करीब दो बजे तीन-चार चोर मकान की दीवार फांदकर अंदर घुस गए। वारदात को पूर्व नियोजित तरीके से अंजाम देते हुए चोरों ने गांव के अन्य मकानों के दरवाजे बाहर से बंद कर दिए, ताकि कोई बाहर नहीं निकल सके। घर के अंदर घुसने के बाद एक चोर सरिया लेकर मांगीलाल के पास खड़ा हो गया, जबकि दूसरे चोर ने पास में सो रही वृद्धा दाखी बाई के कानों के टॉप्स और नथ झटके से तोड़ लिए। वहीं दूसरी वृद्धा लोगरी बाई की नथ और मादलिया भी निकाल लिए गए। जेवर खींचने से दर्द होने पर वृद्ध महिलाएं चिल्लाने लगीं। चिल्लाने की आवाज सुनकर मांगीलाल नींद से उठ बैठे। इसी दौरान पास खड़े चोर ने उनके सिर पर लोहे के सरिये से वार कर दिया, जिससे वे घायल हो गए। वारदात के बाद चोर जेवर लेकर मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना पर फतहनगर थाने से पुलिस मौके पर पहुंची और मौका मुआयना किया। घायल मांगीलाल को उपचार के लिए फतहनगर भेजा गया, जहां उनके सिर पर छह टांके लगाए गए तथा प्राथमिक उपचार दिया गया। शनिवार को घटना की जानकारी फैलते ही ग्रामीणों का घायल परिवार के घर पहुंचने का सिलसिला दिनभर जारी रहा। घटना की जानकारी घायल मांगीलाल ने दी।

ब्रह्मलीन संत शिरोमणि हजूरी रूप साईं साधराम साहेब जी की याद में आज श्रद्धांजलि सभा



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। सिंधी समाज की ओर से रविवार शाम को श्रद्धांजलि सभा में संत शिरोमणि हजूरी रूप साईं साधराम साहेब जी को श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी। पूज्य झूलेलाल सिंधी सेंट्रल पंचायत के निदेशक हरीश राजानी ने बताया कि पूज्य संत शिरोमणि हजूरी रूप साईं साधराम साहेब जी गत दिनों ब्रह्मलीन हो गए थे।

उनके निधन से संपूर्ण सिंधी समाज एवं देश-विदेश में बसे लाखों श्रद्धालुओं में गहरा शोक व्याप्त है। वे सिंधी समाज के महान आध्यात्मिक गुरु, समाजसेवी एवं मानवता के सच्चे उपासक थे। रविवार शाम को साढे पांच बजे से छह बजे तक शक्तिनगर स्थित झूलेलाल भवन में श्रद्धांजलि सभा रखी गई है जिसमें समाज की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की जाएगी।

अब पाठ्यक्रमों के परिणामों का होगा मूल्यांकन, विश्वविद्यालय तैयार करेगा नीति दस्तावेज : प्रो. भाणावत



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला शनिवार को सम्पन्न हुई। कार्यशाला में परिणाम आधारित शिक्षण प्रणाली पर शिक्षकों और शैक्षणिक प्रशासकों को प्रशिक्षण दिया गया। आईक्यूएसी निदेशक प्रो. शूरवीर सिंह भाणावत ने कहा कि अब विश्वविद्यालय परीक्षा परिणामों का पाठ्यक्रम उद्देश्यों से तुलनात्मक विश्लेषण करेगा, ताकि यह आकलन हो सके कि निर्धारित शैक्षणिक लक्ष्य पूरे हुए या नहीं। इसके लिए आईक्यूएसी की ओर से विस्तृत नीति दस्तावेज तैयार किया जाएगा, जो नैक मूल्यांकन में भी सहायक होगा। उन्होंने बताया कि नई शिक्षा नीति-2020, नैक मूल्यांकन और राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग ढांचे की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए यह पहल शुरू की गई है। कार्यशाला के मुख्य वक्ता श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.के. दवे ने परिणाम आधारित शिक्षण प्रणाली की वैश्विक अवधारणा और नई शिक्षा नीति के तहत इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने पाठ्यक्रम उद्देश्यों और परिणामों की प्रभावी मानचित्रण प्रक्रिया का प्रशिक्षण भी दिया। कार्यशाला संयोजक डॉ. रितेश पुरोहित ने बताया कि इसमें पाठ्यक्रम परिणाम, कार्यक्रम परिणाम, ब्लूम्स वर्गीकरण पद्धति, परिणाम मूल्यांकन तथा सतत विकास लक्ष्यों आधारित पाठ्यक्रम निर्माण जैसे विषयों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में कुलगुरू प्रो. कैलाश डागा, प्रो. हनुमान प्रसाद, डॉ. घनश्याम पुरोहित, डॉ. वी.सी. गर्ग, डॉ. मुकेश बारबर, डॉ. शिल्पा वार्डिया, डॉ. अंजलि सिंह और डॉ. नेहा पालीवाल सहित विभिन्न संकायों के शिक्षक और अधिकारी मौजूद रहे।

शराब के लिए रुपए नहीं देने पर युवकों पर पथराव, दो घायल

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। उदयपुर के सूरजपोल थाना क्षेत्र में शराब के लिए पैसे मांगने और विरोध करने पर युवकों से मारपीट व पथराव का मामला सामने आया है। घटना में दो युवक घायल हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार पलोदड़ा हाउस के पीछे, सविना निवासी माहिन पुत्र तवरेज खान उर्फ बाबू ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। परिवादी ने बताया कि वह अपने दोस्तों के साथ मनीष आयरन और विशाल मेघामार्ट के सामने से गुजर रहा था। इसी दौरान दो युवकों ने उनकी गाड़ी रुकवाई और शराब पीने के लिए पैसों की मांग करने लगे। रिपोर्ट के मुताबिक जब उन्होंने वहां से निकलने का प्रयास किया तो आरोपियों ने पीछे से पत्थर उठाकर हमला कर दिया। पथराव में माहिन की कमर में चोट आई, जबकि उसके एक दोस्त के हाथ में भी पत्थर लगने से चोटें आई हैं। घटना के बाद सूरजपोल थाना पुलिस ने बीएनएस की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की जांच सउनि चतर सिंह कर रहे हैं।

सूने मकान का ताला तोड़कर चोरी, घरेलू सामान लेकर फरार हुए बदमाश

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। गोवर्धनविलास थाना क्षेत्र स्थित सागर विहार कॉलोनी में सूने मकान को निशाना बनाकर चोरी की वारदात सामने आई है। अज्ञात बदमाश मकान का ताला तोड़कर अंदर घुसे और घरेलू सामान चोरी कर फरार हो गए। मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार सागर विहार कॉलोनी निवासी लक्ष्मण सिंह रावल पुत्र नन्दसिंह रावल ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। रिपोर्ट में बताया गया कि उनके सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोर घर में रखे घरेलू सामान पर हाथ साफ कर गए। घटना को लेकर गोवर्धनविलास थाने में बीएनएस की धारा 331(4) और 305 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ करने के साथ ही संदिग्धों की तलाश में जुटी हुई है। मामले की जांच सउनि वीरेन्द्र कुमार के निर्देशन में की जा रही है।

किराणा दुकान में भड़की आग, ग्रामीणों की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा



24 न्यूज अपडेट

सलूंबर। सलूम्बर जिले के लसाड़िया क्षेत्र के टेकण गांव में शुक्रवार शाम अचानक लगी आग ने एक किराणा दुकान को पूरी तरह तबाह कर दिया। आग इतनी तेजी से फैली कि दुकान में रखा पूरा सामान कुछ ही देर में जलकर राख हो गया। प्रारंभिक तौर पर हादसे की वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है। घटना शाम करीब 7 बजे की बताई जा रही है। गांव निवासी लालूराम पटेल की दुकान में रोजाना की तरह कामकाज चल रहा था। इसी दौरान अचानक बिजली के तारों में स्पार्किंग हुई और देखते ही देखते आग ने पूरी दुकान को अपनी चपेट में ले लिया। आग लगने से दुकान में रखा किराणा सामान, डेयरी उत्पाद और नकदी पूरी तरह नष्ट हो गई। आग की सूचना मिलते ही गांव में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे और बिना किसी इंतजार के आग बुझाने में जुट गए। लोगों ने बाल्टियों और अन्य साधनों से पानी डालकर आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया। ग्रामीणों की तत्परता के चलते कुछ ही देर में आग को फैलने से रोक लिया गया। दुकानदार लालूराम पटेल ने बताया कि हादसे में करीब दो से ढाई लाख रुपए का नुकसान हुआ है। आग के कारण दुकान में रखा पूरा स्टॉक खत्म हो गया, जिससे परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। ग्रामीणों के अनुसार जिस स्थान पर आग लगी, उसके आसपास कई मकान बने हुए हैं। वहीं पास में गैस सिलेंडर भी रखे हुए थे। यदि समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता तो बड़ा विस्फोट हो सकता था और आसपास के घर भी इसकी चपेट में आ सकते थे। घटना के बाद गांव के लोगों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने नुकसान का सर्वे करवाकर उचित मुआवजा दिलाने की अपील की है।

निर्माण सामग्री किराये पर लेकर बेचने का आरोप, धोखाधड़ी का मामला दर्ज

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। डबोक थाना क्षेत्र में निर्माण कार्य में उपयोग आने वाली सामग्री किराये पर लेकर बेच देने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार वल्लभनगर तहसील के दरोली गांव निवासी देवीलाल डांगी ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। परिवादी ने बताया कि आरोपी ने उनसे निर्माण कार्य में काम आने वाली लोहे की प्लेट्स, जैक, मिक्सर मशीन सहित अन्य उपकरण किराये पर लिए थे। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि आरोपी ने किराये पर ली गई सामग्री वापस लौटाने के बजाय उसे बेच दिया और इस तरह परिवादी के साथ धोखाधड़ी की। घटना जनवरी से मई 2026 के बीच की बताई जा रही है। मामले में शाहिद मोहम्मद पुत्र शराफत अली निवासी बड़े पुरोहितों का खुर्रा, चांदपोल को नामजद किया गया है। पुलिस ने बीएनएस की धारा 316(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रकरण की जांच डबोक थाना पुलिस द्वारा की जा रही है।

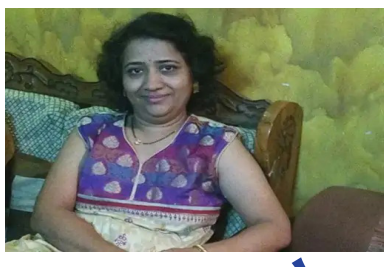
डबोक सीमेंट फैक्ट्री में हादसा, ड्यूटी के दौरान गिरने से सुरक्षा गार्ड गंभीर घायल

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। डबोक क्षेत्र स्थित एक सीमेंट फैक्ट्री में ड्यूटी के दौरान सुरक्षा गार्ड के गंभीर रूप से घायल होने का मामला सामने आया है। घटना को लेकर घायल कर्मचारी की पत्नी ने संबंधित सिक्योरिटी एजेंसी और फैक्ट्री प्रबंधन के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। पुलिस के अनुसार भीलवाड़ा जिले के शाहपुरा तहसील क्षेत्र के चलानिया निवासी रीना कुंवर पत्नी शिवराज सिंह ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। रिपोर्ट में बताया गया कि उनके पति शिवराज सिंह डबोक स्थित जेके लक्ष्मी सीमेंट फैक्ट्री में सिक्योरिटी गार्ड के तौर पर कार्यरत थे। परिवादिया के मुताबिक 13 अगस्त 2024 की शाम करीब 6 बजे ड्यूटी के दौरान शिवराज सिंह अचानक नीचे गिर गए, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं। घटना के बाद उन्हें उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। मामले में टेलेन्ट प्लस सिक्योरिटी सर्विस के मैनेजिंग डायरेक्टर और जेके लक्ष्मी सीमेंट फैक्ट्री डबोक के प्रबंधन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है। पुलिस ने बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रकरण की जांच सउनि मुकेश कुमार के नेतृत्व में की जा रही है।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com

नीट प्रश्नपत्र लीक मामले में गिरफ्तार भौतिकी प्रवक्ता निलंबित



24 न्यूज अपडेट

मुंबई। महाराष्ट्र के सेठ हीरालाल सरस्वती प्रशाला ने नीट प्रश्नपत्र लीक मामले में गिरफ्तारी के बाद वरिष्ठ भौतिकी प्रवक्ता मनीषा संजय हवलदार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। विद्यालय के सचिव डॉ. सतीश गावड़े ने बताया कि मनीषा वर्ष 1992 से संस्थान में भौतिकी प्रवक्ता के पद पर कार्यरत थीं। उनके पास विज्ञान स्नातकोत्तर तथा शिक्षाशास्त्र स्नातक की उपाधि है और वे आगामी 30 जून को सेवा निवृत्त होने वाली थीं। डॉ. गावड़े ने कहा कि मनीषा का यह कृत्य विद्यार्थियों, संस्थान और देश के साथ विश्वासघात है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच के लिए संस्थान स्तर पर उच्च स्तरीय आंतरिक जांच समिति गठित की गई है। उन्होंने कहा कि संस्थान को इस बात की कोई जानकारी नहीं थी कि मनीषा नीट परीक्षा प्रक्रिया में किस भूमिका में कार्य कर रही थीं, उनकी नियुक्ति कब हुई और किसके माध्यम से हुई। जानकारी के अनुसार, नीट प्रश्नपत्र लीक मामले में मनीषा हवलदार को 11वें आरोपी के रूप में गिरफ्तार किया गया है। वे परीक्षा प्रक्रिया में विशेषज्ञ के रूप में शामिल थीं और राष्ट्रीय परीक्षा अभिकरण द्वारा नियुक्त की गई थीं। जांच में सामने आया है कि उनकी पहुंच भौतिकी के प्रश्नपत्र तक थी। आरोप है कि अप्रैल 2026 में उन्होंने भौतिकी से जुड़े कुछ प्रश्न अन्य आरोपी मनीषा मंधारे के साथ साझा किए थे। उल्लेखनीय है कि 3 मई को आयोजित नीट परीक्षा के बाद प्रश्नपत्र लीक होने की जानकारी सामने आई थी। मामले में अब तक दिल्ली, जयपुर, गुरुग्राम, नासिक, पुणे, लातूर और अहिल्यानगर सहित विभिन्न शहरों से 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

साइबर पुलिस की नई एडवाइजरी: मोबाइल सुरक्षा का अचूक हथियार बना 'संचार साथी' पोर्टल; जानें कैसे बचाएगा आपको फर्जी कॉल और सिम फ्रॉड से

24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 23 मई। साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने और आमजन को डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से राजस्थान पुलिस की साइबर क्राइम शाखा ने भारत सरकार के दूरसंचार विभाग (DoT) द्वारा संचालित संचार साथी पोर्टल को लेकर एडवाइजरी जारी की है। पुलिस ने आमजन से अपील की है कि मोबाइल चोरी, फर्जी सिम, साइबर फ्रॉड और संदिग्ध कॉल्स से बचाव के लिए इस पोर्टल और मोबाइल ऐप का अधिक से अधिक उपयोग करें।

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस साइबर क्राइम श्री वीके सिंह ने बताया कि वर्तमान डिजिटल दौर में साइबर ठग लगातार नई तकनीकों के जरिए लोगों को निशाना बना रहे हैं। ऐसे में संचार साथी पोर्टल नागरिकों को मोबाइल और सिम कार्ड से जुड़ी सुरक्षा संबंधी कई महत्वपूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराता है। यह पोर्टल गूगल प्ले स्टोर पर ऐप के रूप में भी उपलब्ध है।

खोया या चोरी हुआ मोबाइल तुरंत करें ब्लॉक

पोर्टल के Block Your Lost/Stolen Mobile Handset फीचर के जरिए कोई भी व्यक्ति अपने चोरी या गुम हुए मोबाइल फोन के IMEI नंबर को ब्लॉक कर सकता है। इससे फोन में किसी भी कंपनी का सिम कार्ड इस्तेमाल नहीं हो पाएगा। मोबाइल मिलने पर उसे दोबारा अनब्लॉक भी किया जा सकता है।

खरीदने से पहले जांचें मोबाइल असली है या नहीं

Know Your Mobile (KYM) मॉड्यूल के माध्यम से लोग नया या पुराना मोबाइल खरीदने से पहले उसका IMEI नंबर चेक कर यह पता लगा सकते हैं कि फोन ब्लैकलिस्टेड, डुप्लीकेट या चोरी का तो नहीं है।

आपके नाम पर कितने सिम एक्टिव हैं, तुरंत करें जांच

TAFCOP (Know Mobile Connections in Your Name) फीचर से कोई भी व्यक्ति यह देख सकता है कि उसके आधार या नाम पर कितने मोबाइल नंबर सक्रिय हैं। यदि कोई अनजान नंबर दिखाई देता है, तो उसकी रिपोर्ट कर उसे बंद कराया जा सकता है।

फर्जी कॉल और मैसेज की भी कर सकते हैं शिकायत

चक्षु (CHAKSHU) पोर्टल के जरिए व्हाट्सएप, कॉल या एसएमएस पर आने वाले फर्जी नौकरी, लॉटरी, केवाईसी अपडेट या बैंक अधिकारी बनकर की जाने वाली ठगी के प्रयासों की रिपोर्ट की जा सकती है। विदेशी कॉल्स पर भारतीय नंबर दिखे तो रहें सतर्क

एडीजी श्री सिंह ने बताया कि साइबर अपराधी अब कॉलर आईडी स्पूफिंग तकनीक का इस्तेमाल कर विदेश से कॉल करते हुए भारतीय नंबर प्रदर्शित करते हैं। ऐसे मामलों में "Report Incoming International Call With Indian Number" फीचर के जरिए शिकायत दर्ज कराई जा सकती है।

राजस्थान पुलिस ने आमजन से अपील की है कि किसी भी साइबर धोखाधड़ी या संदिग्ध गतिविधि की तुरंत सूचना निकटतम पुलिस स्टेशन, साइबर पुलिस स्टेशन, राष्ट्रीय साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल https://cybercrime.gov.in या साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर दें। साथ ही साइबर हेल्पडेस्क नंबर 9256001930 एवं 9257510100 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

प्रदेश में 4 लाख 19 हजार 648 लीटर वॉश नष्ट



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 23 मई। आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशानुसार प्रदेश में अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर रोकथाम के लिए जारी विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत नाकाबंदी, गश्त, रेड की प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। प्रदेश के विभिन्न जिलों में अवैध मदिरा जब्त करते हुए वॉश नष्ट कर अभियोग दर्ज किए गए। उल्लेखनीय है कि कोटा में शुक्रवार को एक बड़ी कार्रवाई के तहत अंग्रेजी शराब बरामद की गई जिसकी अनुमानित कीमत 70 लाख रूपए आंकी गई है।

1535 अभियोग दर्ज, 724 हुए गिरफ्तार

आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशन में प्रदेश में विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत एक मई से 22 मई 2026 तक विभिन्न कार्रवाई के तहत 1535 अभियोग दर्ज किए गए है। प्रदेश में देशी मदिरा 15 लाख 87 हजार 525 रूपए लागत की 5914 लीटर, भारत निर्मित विदेशी मदिरा 2 करोड़ 69 लाख 22 हजार 494 रूपए की 26826 लीटर, बीयर 43 लाख 54 हजार 823 रूपए की 19363 लीटर, स्प्रिट 30 लीटर एवं हथकड़ शराब 9929 लीटर जब्त की गई है। इसी क्रम में वॉश 4 लाख 19 हजार 648 लीटर नष्ट किया गया है। प्रदेश में अभियान के दौरान बडे वाहन 5, हल्के चार पहिया 11 एवं दुपहिया वाहन 57 सहित 74 वाहन जब्त करते हुए 724 व्यक्तियों का गिरफ्तार किया गया है।

प्रदेश में अवैध शराब पर कार्रवाई

आबकारी आयुक्त नमित मेहता के निर्देशन में अवैध शराब के विरूद्ध अभियान के तहत आबकारी निरोधक दलों द्वारा प्रदेश में गश्त, नाकाबंदी, दबिश की कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में प्रदेश के कोटा में शुक्रवार को एक बड़ी कार्रवाई के तहत अंग्रेजी शराब की विभिन्न ब्रांड की कुल 796 पेटियों में 25 हजार 440 क्वार्टर एवं 2394 बोतल बरामद की गई। बरामद अवैध मदिरा की अनुमानित कीमत 70 लाख रूपए आंकी गई है। पाली में रोड़ साईड ढाबों की चैकिंग सहित बाली सर्कल में नानबेड़ा क्षेत्र में दबिश देकर 1800 लीटर वॉश नष्ट करते हुए 63 लीटर अवैध हथकड़ शराब बरामद की। जोधपुर में दबिश कार्रवाई के तहत 550 लीटर वॉश नष्ट किया। बांसवाड़ा में अम्बापुरा क्षेत्र में आबकारी निरोधक दल की कार्रवाई में 1500 लीटर वॉश एवं 2 भट्टियां नष्ट की गई। मौके से 70 बोतल अवैध हथकड़ शराब की बरामद की गई। नागौर में आबकारी थाना परबतसर, नावा, मेड़ता के उच्चेरिया बूडशू में दबिश कार्रवाई के तहत 10 लीटर स्प्रिट, 10 बोतल अवैध हथकड़ शराब, पव्वे पेकिंग मशीन को जब्त किया गया। प्रदेश के समस्त जिलों में भी विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत नाकाबंदी, दबिश व सघन गश्त की जा रही है। प्रदेश में समस्त अतिरिक्त आबकारी आयुक्त जोन, आबकारी उपायुक्त, जिला आबकारी अधिकारी, आबकारी निरीक्षक एवं आबकारी निरोधक दल द्वारा अवैध मदिरा के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कार्यवाही की जा रही है।

एकलिंगजी तालाब में डूबने से व्यक्ति की मौत

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जिले के कैलाशपुरी क्षेत्र स्थित एकलिंगजी तालाब में शनिवार दोपहर एक व्यक्ति के डूबने से मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और सिविल डिफेंस की टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से शव को तालाब से बाहर निकाला गया। जानकारी के अनुसार शनिवार दोपहर करीब 2 बजे पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि एक व्यक्ति एकलिंगजी तालाब में डूब गया है। सूचना मिलते ही उप नियंत्रक नागरिक सुरक्षा विभाग उदयपुर दीपेंद्र सिंह राठौड़ के निर्देश पर सिविल डिफेंस की टीम तत्काल मौके के लिए रवाना की गई। टीम के पहुंचने तक स्थानीय लोगों ने काफी प्रयास के बाद तालाब से शव को बाहर निकाल लिया था। बाद में शव को पुलिस थाना सुखेर के सुपुर्द कर दिया गया। मृतक की पहचान मोहन सिंह देवड़ा पुत्र डूंगर सिंह देवड़ा उम्र करीब 40 वर्ष निवासी सरे बाघेला तालाब, कैलाशपुरी के रूप में हुई है। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। मौके पर सिविल डिफेंस टीम के सदस्य नरेश चौधरी, विपुल चौधरी, विजय नकवाल, भवानी शंकर वाल्मीकि, रवि शर्मा और कैलाश मेनारिया मौजूद रहे। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

शास्त्री सर्किल पर महिला से बैग झपटकर फरार हुए बाइक सवार बदमाश

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर के भूपालपुरा थाना क्षेत्र में देर रात झपटमारी की वारदात सामने आई है। बाइक सवार तीन बदमाश एक महिला के कंधे पर टंगा हैंडबैग झपटकर फरार हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार सूरजपोल थाना क्षेत्र के कालाजी गोराजी निवासी शैफाली जैन ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। परिवादिया ने बताया कि 16 मई की रात करीब 10:10 बजे वह शास्त्री सर्किल क्षेत्र में थी। इसी दौरान स्प्लेंडर प्लस जैसी मोटरसाइकिल पर सवार तीन युवक वहां पहुंचे। रिपोर्ट के मुताबिक बाइक पर बीच में बैठे युवक ने अचानक झपट्टा मारकर उनके कंधे पर लटका हरे रंग का हैंडबैग छीन लिया और तीनों आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना इतनी अचानक हुई कि महिला संभल भी नहीं सकी। घटना के बाद भूपालपुरा थाना पुलिस ने बीएनएस की धारा 304(2) और 3(5) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। मामले की जांच सउनि दलपत सिंह कर रहे हैं।

चेन से बंधा था पालतू कुत्ता, तेंदुआ धड़ ले गया

24 न्यूज अपडेट

अलवर। जिले के राजगढ़ कस्बे में वन्यजीवों की बढ़ती आवाजाही ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। औद्योगिक क्षेत्र स्थित शेखा की बगीची इलाके में शुक्रवार तड़के एक तेंदुआ रेलवे सुरक्षा बल के निरीक्षक के घर में घुस आया और वहां बंधे पालतू कुत्ते को मारकर जंगल की ओर ले गया। पूरी घटना घर में लगे निगरानी कैमरों में रिकॉर्ड हो गई। जानकारी के अनुसार रेलवे सुरक्षा बल के निरीक्षक विश्राम मीणा के मकान की चारदीवारी फांदकर तेंदुआ अंदर पहुंचा। घर के बगीचे में पेड़ों के पास पालतू कुत्ता चेन से बंधा हुआ था। तेंदुए ने सीधे कुत्ते पर हमला कर दिया और लंबे समय तक उसे नोचता रहा। निगरानी कैमरों की रिकॉर्डिंग में तेंदुआ करीब 16 मिनट तक घर के परिसर में दिखाई दिया। इस दौरान उसने कुत्ते को बुरी तरह घायल कर मार डाला। चेन में फंसे होने के कारण कुत्ता खुद को बचा नहीं सका। बाद में तेंदुआ कुत्ते के शरीर को घसीटते हुए जंगल की तरफ ले गया, जबकि सिर चेन में ही फंसा रह गया। घटना का खुलासा सुबह उस समय हुआ जब परिवार के सदस्य बाहर पहुंचे। वहां केवल कुत्ते का सिर दिखाई देने पर परिवार के लोग हैरान रह गए। इसके बाद घर में लगे कैमरों की रिकॉर्डिंग देखी गई, जिसमें पूरी घटना सामने आई। विश्राम मीणा ने बताया कि उनका मकान पहाड़ी क्षेत्र के निकट स्थित है, इसलिए इलाके में जंगली जानवरों की आवाजाही बनी रहती है। उन्होंने बताया कि करीब एक वर्ष पहले भी तेंदुए ने उनके घर के पास बंधे भैंस के बछड़े पर हमला कर दिया था, लेकिन उस समय लोगों के शोर मचाने पर वह भाग गया था। घटना की सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और क्षेत्र का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने तेंदुए के पगचिह्नों का जायजा लिया तथा आसपास के लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से क्षेत्र में सुरक्षा तारबंदी और वन्यजीवों की रोकथाम के स्थायी इंतजाम करने की मांग की है।

हाईकोर्ट ने खारिज की 28 याचिकाएं, 10 हजार सीनियर शिक्षकों के प्रमोशन का रास्ता साफ



24 न्यूज अपडेट

जोधपुर। राजस्थान हाईकोर्ट की मुख्यपीठ ने शिक्षा विभाग के सेवा नियमों में किए गए संशोधन को चुनौती देने वाली 28 याचिकाओं पर बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने सभी याचिकाएं खारिज करते हुए राज्य सरकार के संशोधित नियमों को वैध ठहराया है। इस निर्णय के बाद कॉमर्स, म्यूजिक, कृषि, ड्राइंग और होम साइंस जैसे विषयों से जुड़े करीब 10 हजार सीनियर टीचर (जनरल) के प्रमोशन पर लगा लंबा ठहराव खत्म हो गया है।

जस्टिस अरुण मोंगा और जस्टिस संदीप शाह की खंडपीठ ने राजस्थान शैक्षिक (राज्य एवं अधीनस्थ) सेवा प्रथम संशोधन नियम-2024 को संवैधानिक रूप से सही माना। अदालत ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा किया गया संशोधन एक नीतिगत निर्णय है और इसमें किसी तरह की मनमानी नहीं पाई गई।

मामले की पृष्ठभूमि में 1986 की राष्ट्रीय शिक्षा नीति और 10+2+3 शिक्षा प्रणाली को महत्वपूर्ण माना गया। नई व्यवस्था लागू होने के बाद कक्षा 9वीं और 10वीं में कई विशेष विषयों की उपयोगिता कम हो गई थी। इसका असर उन शिक्षकों पर पड़ा जो वाणिज्य, कृषि, चित्रकला और अन्य विशेष विषय पढ़ाते थे। वर्षों तक बड़ी संख्या में शिक्षक एक ही पद पर कार्यरत रहे और उन्हें पदोन्नति के पर्याप्त अवसर नहीं मिल सके।

इसके बाद वर्ष 2021 में लागू नए सेवा नियमों ने स्थिति और जटिल कर दी। नियमों में संबंधित पदों को शत-प्रतिशत सीधी भर्ती से भरने का प्रावधान कर दिया गया, जिससे सीनियर टीचर (जनरल) के प्रमोशन के अवसर लगभग समाप्त हो गए।

इसी स्थिति को देखते हुए राज्य सरकार ने 7 फरवरी 2024 को प्रथम संशोधन अधिसूचना जारी की। संशोधन के तहत लेक्चरर पदों में 50 प्रतिशत पदोन्नति कोटा सीनियर टीचर (जनरल) के लिए निर्धारित किया गया। सरकार ने इसे लंबे समय से लंबित प्रमोशन मामलों को निपटाने के लिए एक अस्थायी राहत बताया।

हालांकि, इस फैसले को उन विषय विशेषज्ञ शिक्षकों ने चुनौती दी थी जिन्होंने नियुक्ति के बाद अलग विषय में पोस्ट ग्रेजुएशन किया था। याचिकाकर्ताओं का कहना था कि 3 अगस्त 2021 की कट-ऑफ तारीख और नए संशोधन के कारण उनके प्रमोशन के अवसर खत्म हो गए हैं।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं की ओर से तर्क दिया गया कि पदोन्नति के लिए विचार किया जाना कर्मचारियों का अधिकार है और नियमों के जरिए इसे सीमित नहीं किया जा सकता। वहीं राज्य सरकार ने अदालत को बताया कि यह व्यवस्था केवल वर्तमान में कार्यरत लगभग 10 हजार सीनियर टीचर (जनरल) को राहत देने के लिए लाई गई है और भविष्य में फिर से 100 प्रतिशत सीधी भर्ती का प्रावधान लागू रहेगा।

अदालत ने अपने फैसले में कहा कि याचिकाकर्ताओं के लिए प्रमोशन के अन्य विकल्प अभी भी उपलब्ध हैं। यदि किसी शिक्षक के पास संबंधित विषय में पोस्ट ग्रेजुएशन और आवश्यक अनुभव है तो वह अन्य विषयों के लेक्चरर पदों पर पदोन्नति प्राप्त कर सकता है। इसके अलावा हेडमास्टर और अतिरिक्त ब्लॉक प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी जैसे पदों पर भी अवसर मौजूद हैं।

खंडपीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि नौकरी के दौरान अतिरिक्त शैक्षणिक योग्यता हासिल कर लेना स्वतः पदोन्नति का अधिकार नहीं देता। अदालत ने सुप्रीम कोर्ट और विभिन्न न्यायिक निर्णयों का हवाला देते हुए कहा कि शैक्षणिक योग्यता के आधार पर वर्गीकरण और कट-ऑफ तारीख तय करना सरकार का नीतिगत अधिकार है।

अदालत ने 3 अगस्त 2021 की कट-ऑफ तारीख को भी तार्किक माना और कहा कि इसी दिन नए सेवा नियम लागू हुए थे। विस्तृत सुनवाई और कानूनी विश्लेषण के बाद हाईकोर्ट ने सभी 28 याचिकाएं खारिज कर दीं।

सीबीएसई के स्पष्टीकरण से विद्यार्थियों को मिलेगा विश्वास : डॉ. शैलेन्द्र सोमानी



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। सीबीएसई ने परीक्षा परिणामों के बाद उत्पन्न हो रही शंकाओं एवं भ्रम की स्थिति को स्पष्ट करने हेतु एक महत्वपूर्ण आधिकारिक सूचना जारी की है। बोर्ड ने कहा है कि स्कैन कॉपी, सत्यापन एवं पुनर्मूल्यांकन की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, व्यवस्थित एवं विद्यार्थियों के हितों को ध्यान में रखकर संचालित की जा रही है।

सीबीएसई के अनुसार इस वर्ष लगभग 98.6 लाख उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन डिजिटल ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्रणाली के माध्यम से किया गया। विद्यार्थियों को स्कैन कॉपी प्राप्त करने, अंकों के सत्यापन तथा पुनर्मूल्यांकन का अवसर प्रदान किया गया है। बोर्ड ने यह भी स्पष्ट किया कि बड़ी संख्या में आवेदन आने के कारण कुछ तकनीकी एवं प्रक्रियात्मक विलंब अवश्य हुए, लेकिन उन्हें सुधारने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए हैं।

बोर्ड ने जानकारी दी कि कई विद्यार्थियों ने पोर्टल एक्सेस में कठिनाई, भुगतान पुष्टि में देरी, धुंधले अथवा अधूरे पृष्ठ दिखाई देने तथा मूल्यांकन संबंधी शंकाएं व्यक्त की थीं। इन सभी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए तकनीकी सुधार, अतिरिक्त संसाधन तथा समय-सीमा विस्तार जैसे कदम उठाए गए हैं।सीबीएसई ने स्पष्ट किया कि यदि किसी उत्तर पुस्तिका का कोई पृष्ठ स्पष्ट नहीं है, कोई उत्तर जांचा नहीं गया है, अंकन में त्रुटि प्रतीत होती है अथवा कोई पृष्ठ गायब है, तो निर्धारित प्रक्रिया के तहत सभी मामलों का निष्पक्ष समाधान किया जाएगा। बोर्ड ने यह भी कहा कि किसी भी तकनीकी या प्रक्रिया संबंधी समस्या के कारण किसी भी विद्यार्थी को नुकसान नहीं होने दिया जाएगा।

बोर्ड के अनुसार जिन विद्यार्थियों को स्कैन कॉपी या संबंधित प्रक्रिया में विलंब का सामना करना पड़ा है, उनके लिए आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 24 मई 2026 कर दी गई है। साथ ही पुनर्मूल्यांकन के लिए पोर्टल अंतिम स्कैन कॉपी भेजे जाने के बाद भी दो दिनों तक खुला रहेगा।

इस विषय पर शिक्षा जगत के प्रख्यात शिक्षाविद् एवं MDS Public School के डायरेक्टर डाक्टर शैलेंद्र सोमानी ने कहा कि, "सीबीएसई द्वारा जारी यह स्पष्टीकरण विद्यार्थियों और अभिभावकों के हित में अत्यंत सकारात्मक एवं जिम्मेदार पहल है। इतने बड़े स्तर पर डिजिटल मूल्यांकन प्रक्रिया का संचालन चुनौतीपूर्ण कार्य है, फिर भी बोर्ड ने पारदर्शिता एवं निष्पक्षता बनाए रखते हुए विद्यार्थियों के भविष्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। अभिभावकों एवं विद्यार्थियों को केवल आधिकारिक सूचनाओं पर ही विश्वास करना चाहिए।"

सीबीएसई ने सभी विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अपुष्ट जानकारी या सोशल मीडिया अफवाहों पर ध्यान न दें तथा आवश्यक जानकारी केवल बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट एवं अधिसूचनाओं से ही प्राप्त करें।

राजस्थान उच्च न्यायालय में 1 से 28 जून तक रहेगा ग्रीष्मावकाश

जोधपुर मुख्यपीठ और जयपुर पीठ के लिए अवकाशकालीन न्यायाधीश नियुक्त



24 न्यूज अपडेट

जोधपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय प्रशासन ने वर्ष 2026 के ग्रीष्मावकाश की अधिसूचना जारी कर दी है। रजिस्ट्रार (प्रशासन) शिवानी सिंह द्वारा जारी आदेश के अनुसार जोधपुर मुख्यपीठ तथा जयपुर पीठ में 1 जून से 28 जून 2026 तक ग्रीष्मावकाश रहेगा। इस अवधि में नियमित न्यायिक कार्य बंद रहेंगे तथा न्यायालय 29 जून, सोमवार से पुनः नियमित रूप से संचालित होंगे।

अवकाश अवधि के दौरान अत्यावश्यक मामलों की सुनवाई के लिए जोधपुर मुख्यपीठ तथा जयपुर पीठ में अवकाशकालीन न्यायाधीशों की नियुक्ति की गई है।

जोधपुर मुख्यपीठ में एकल एवं खंडपीठ की व्यवस्था

जोधपुर मुख्यपीठ की एकल पीठ में 1 से 5 जून तक न्यायमूर्ति संजीत पुरोहित, 8 से 12 जून तक न्यायमूर्ति संदीप शाह, 15-16 एवं 18-19 जून को न्यायमूर्ति मुकेश राजपुरोहित तथा 22 से 25 जून तक न्यायमूर्ति बलजिंदर सिंह संधू सुनवाई करेंगे। खंडपीठ में 1 से 5 जून तक न्यायमूर्ति डॉ. पुष्पेंद्र सिंह भाटी एवं न्यायमूर्ति रेखा बोराणा, 8 से 12 जून तक न्यायमूर्ति फरजंद अली एवं न्यायमूर्ति सुनील बेनीवाल, 15-16 एवं 18-19 जून को न्यायमूर्ति डॉ. नूपुर भाटी एवं न्यायमूर्ति बलजिंदर सिंह संधू तथा 22 से 25 जून तक न्यायमूर्ति कुलदीप माथुर एवं न्यायमूर्ति चंद्रशेखर शर्मा की पीठ मामलों की सुनवाई करेगी। अधिसूचना के अनुसार 17 जून तथा 26 से 28 जून तक किसी अवकाशकालीन पीठ का उल्लेख नहीं किया गया है।

जयपुर पीठ में दो एकल पीठ एवं खंडपीठ का गठन

जयपुर पीठ के लिए भी विस्तृत रोस्टर जारी किया गया है। यहां अवकाशकाल में दो एकल पीठ कार्य करेंगी। एकल पीठों में 1 से 5 जून तक न्यायमूर्ति आशुतोष कुमार एवं न्यायमूर्ति संगीता शर्मा, 8 से 12 जून तक न्यायमूर्ति बिपिन गुप्ता एवं न्यायमूर्ति चंद्रप्रकाश श्रीमाली, 15-16 एवं 18-19 जून को न्यायमूर्ति बिपिन गुप्ता एवं न्यायमूर्ति रवि चिरानिया तथा 22 से 25 जून तक न्यायमूर्ति रवि चिरानिया एवं न्यायमूर्ति अनुरूप सिंघी सुनवाई करेंगे। जयपुर खंडपीठ में 1 से 5 जून तक न्यायमूर्ति मनीष शर्मा एवं न्यायमूर्ति आनंद शर्मा, 8 से 12 जून तक न्यायमूर्ति उमाशंकर व्यास एवं न्यायमूर्ति अशोक कुमार जैन, 15-16 एवं 18-19 जून को न्यायमूर्ति गणेशराम मीणा एवं न्यायमूर्ति प्रमिल कुमार माथुर तथा 22 से 25 जून तक न्यायमूर्ति शुभा मेहता एवं न्यायमूर्ति संदीप तनेजा मामलों की सुनवाई करेंगे।

स्टाम्प रिपोर्टर को विशेष निर्देश

अधिसूचना में न्यायिक रजिस्ट्रार की ओर से स्टाम्प रिपोर्टरों को निर्देश दिए गए हैं कि अवकाशकाल में दीवानी मामलों की फाइल केवल उसी स्थिति में स्वीकार की जाएगी, जब उसके साथ अत्यावश्यकता का प्रार्थना पत्र संलग्न हो। ऐसे मामलों की सुनवाई अवकाशकालीन न्यायाधीश की संतुष्टि के बाद ही की जाएगी।

विश्व में योग भारत की देन, योग एवं आसन को जीवन का हिस्सा बनाएं : प्रो. सारंगदेवोत



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। जीवन में आने वाली कठिनाइयों को व्यक्ति विभिन्न स्तरों पर प्रबंधित कर सकता है, लेकिन स्वास्थ्य को कभी मैनेज नहीं किया जा सकता। इसके लिए योग एवं आसनों का सहारा लेना आवश्यक है। शारीरिक एवं मानसिक शांति के लिए व्यक्ति को योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाना होगा। कोरोना महामारी के बाद आज पूरे विश्व में आमजन योग के प्रति आकर्षित हुए हैं। प्राचीनकाल से ही भारत में योग की समृद्ध परंपरा रही है और पूरे विश्व में योग भारत की ही देन है। यह विचार जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ के संघटक लोकमान्य तिलक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय के अंतर्गत संचालित पीजी डिप्लोमा इन योग एज्यूकेशन संकाय के विद्यार्थियों द्वारा आयोजित वार्षिकोत्सव समारोह में कुलपति प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत ने अध्यक्षीय उद्बोधन में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पूर्व तीनों परिसरों के कार्यकर्ताओं को योग गुरु द्वारा योगाभ्यास कराया जाएगा। आज के युग में जहां अधिकांश लोग तनाव, चिंता, रोग, दुख एवं अनेक प्रकार की समस्याओं से घिरे हुए हैं, वहां केवल एक योग नहीं बल्कि समग्र योग का अभ्यास आवश्यक हो गया है। कुलाधिपति भंवरलाल गुर्जर ने कहा कि योग एक व्यापक विज्ञान है, जिसकी चर्चा हमारे पौराणिक ग्रंथों — श्रीमद्भगवद्गीता, विज्ञान भैरव तंत्र, योग वशिष्ठ एवं पतंजलि योग दर्शन — में भी की गई है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार मनुष्य की चित्त अवस्था एक जैसी नहीं होती, उसी प्रकार योग का भी कोई एक स्वरूप नहीं होता। राजयोग राजसी प्रवृत्ति के व्यक्तियों के लिए, हठयोग तामसिक एवं प्रसादी प्रवृत्ति के लिए, भक्तियोग सात्विक व्यक्तियों के लिए, लय योग संगीतज्ञों के लिए तथा कुंडलिनी योग तपस्वियों के लिए उपयुक्त माना गया है। आयोजन सचिव डॉ. रोहित कुमावत ने बताया कि समारोह में अतिथियों द्वारा आगामी योग दिवस की थीम "स्वास्थ्य, ज्ञान और विश्व शांति के लिए योग" विषयक पोस्टर का विमोचन किया गया तथा विद्यार्थियों को ट्रैक सूट वितरित किए गए। कार्यक्रम के प्रारंभ में प्राचार्य प्रो. सरोज गर्ग ने अतिथियों का स्वागत करते हुए समारोह की जानकारी दी। संचालन डॉ. इंदू बाला आचार्य ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन योग प्रभारी डॉ. रोहित कुमावत ने दिया। समारोह में प्रो. बलिदान जैन, प्रो. अमी राठौड़, प्रो. रचना राठौड़, प्रो. भूरालाल श्रीमाली, डॉ. सरिता मेनारिया, डॉ. हरीश मेनारिया, डॉ. पुनीत पंड्या, डॉ. रेणु हिंगड़, डॉ. पल्लव पांडे, डॉ. हिम्मत सिंह चुंडावत, डॉ. सुभाष पुरोहित, डॉ. ममता कुमावत सहित कार्यकर्ता एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

राजस्थान में 33 परिवहन कंपनियों पर छापे, 85 करोड़ से अधिक कर चोरी उजागर, उदयपुर में भी कार्रवाई



24 न्यूज अपडेट

जयपुर। राजस्थान के वाणिज्यिक कर विभाग ने शुक्रवार देर रात प्रदेश के 10 जिलों में बड़ी कार्रवाई करते हुए 33 वस्तु परिवहन कंपनियों और उनके संचालकों के ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। विभाग की इस संयुक्त कार्रवाई में अब तक 85 करोड़ रुपये से अधिक की वस्तु एवं सेवा कर चोरी सामने आई है। विभाग की तीनों प्रवर्तन शाखाओं तथा आठ क्षेत्रीय जोनों की टीमों ने जयपुर, उदयपुर, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, जोधपुर, सिरोही, नागौर, चूरू, बीकानेर और अलवर जिलों में परिवहन कंपनियों के कार्यालयों तथा मालिकों के आवासों पर तलाशी अभियान चलाया। कार्रवाई के बाद पूरे परिवहन क्षेत्र में हड़कंप की स्थिति बनी रही। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि कई परिवहन कंपनियां उन वस्तुओं पर भी 12 प्रतिशत वस्तु एवं सेवा कर दर्शाकर बिल जारी कर रही थीं, जिन पर वास्तविक कर दर शून्य है। इस तरीके से अवैध रूप से इनपुट कर छूट तैयार की जा रही थी, जिसका उपयोग वास्तविक कर देनदारियों के भुगतान में नकद राशि के स्थान पर किया जा रहा था। विभाग के अनुसार इस व्यवस्था से राज्य सरकार को मिलने वाले वैध कर राजस्व को नुकसान पहुंचाया गया तथा कर चोरी छिपाने के लिए फर्जी कर छूट श्रृंखला तैयार की गई। तलाशी अभियान के दौरान बड़ी मात्रा में दस्तावेज और डिजिटल अभिलेख जब्त किए गए हैं। विभाग की टीमें अब इन डिजिटल साक्ष्यों और वित्तीय लेनदेन की विस्तृत जांच में जुटी हुई हैं। अधिकारियों का मानना है कि जांच आगे बढ़ने के साथ कर चोरी की राशि और बढ़ सकती है। वाणिज्यिक कर विभाग ने संकेत दिए हैं कि राज्यभर में संचालित अन्य परिवहन ऑपरेटरों की भी चरणबद्ध जांच की जाएगी। विभाग अब टोल प्लाजा अभिलेख, ईंधन खपत, वाहन स्वामित्व विवरण और ई-वे बिल आंकड़ों का विश्लेषण कर परिवहन गतिविधियों की निगरानी कर रहा है। विभाग ने वाहन मालिकों और परिवहन संचालकों को चेतावनी दी है कि बिना वैध ई-वे बिल के माल परिवहन या कर चोरी में संलिप्त पाए जाने पर संबंधित पक्षों के खिलाफ कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

गर्मी से राहत देने दाउदी बोहरा समाज आगे आया, 5300 लोगों को पिलाई छाछ



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। भीषण गर्मी के बीच दाउदी बोहरा समाज की ओर से शहरवासियों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से छाछ वितरण अभियान चलाया जा रहा है। समाज की ओर से यह सेवा कार्य सैयदना साहब के संदेश और मिशन के तहत आयोजित किया जा रहा है। अभियान के तहत उदयपुर में सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक लोगों को करीब 5300 ग्लास छाछ वितरित की गई। तेज गर्मी में राहगीरों और आमजन ने इस पहल की सराहना की। समाज के शब्बीर मुस्तफा ने बताया कि सैयदना साहब का संदेश है कि गर्मी के मौसम में हर व्यक्ति को अपनी सेहत और सुरक्षा का ध्यान रखना चाहिए। इसी उद्देश्य को लेकर समाज की ओर से लोगों को छाछ पिलाकर गर्मी से राहत देने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह अभियान हर एक-दो दिन के अंतराल में लगातार चलाया जाएगा और जब तक गर्मी का असर रहेगा, तब तक छाछ वितरण जारी रखा जाएगा। शब्बीर मुस्तफा ने कहा कि समाज हमेशा सेवा कार्यों में आगे रहा है। कोविड काल के दौरान भी दाउदी बोहरा समाज की ओर से घर-घर जाकर जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित किया गया था।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।